Facilitator:
करियर मार्गदर्शन और काउंसलिंग बुकलेट

Higher Education Link Program

Organizing Youth for Socially Inclusive Society (OYSIS)
Centre for Social Equity and Inclusion

Facilitators: Career Guidance and Counseling Booklet
Higher Education Link Programme: Organising Youth for Socially Inclusive Society (OYSIS)

Edition: JUNE 2016

Published by:

Centre for Social Equity & Inclusion
2157/A, Sarthak Building, 2nd Upper Floor,
Guru Arjun Nagar, New Delhi-110008 Tel 011-25705650;
Website: csei.org.in

This publication may be used in any form, so long as the source is acknowledged.
Please feel free to quote, translate, distribute and transmit.

Supported by:

Disclaimer: All information in this booklet has been collected from various open sources. Some of the information may change from time to time. You arerequested to cross check and verify the given details. The Sources from where the information is gathered is given in each section.

Facilitator : करियर मार्गदर्शन और काउंसिलिंग बुकलेट

Higher Education Link Program

Organizing Youth for Socially Inclusive Society (OYSIS)
Centre for Social Equity and Inclusion

परिचय: मार्गदर्शन और परामर्श क्यों आवश्यक है

जब तक एक छात्र स्कूल में रहता है, उस□यह पता रहता है कि एक कक्षा क□ बाद, वह अगली कक्षा में जायगा. यह सिलसिला क्लास 10th तक चलता है और उसक□ बाद, बोर्ड परीक्षा में आय□अंकों क□ आधार पर छात्र आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस लत□ हैं. पर जब वो क्लास 12th ख़त्म करत□ हैं, और कॉलज□ या विश्वविद्यालयों में प्रवश क□ लिए तैयार होत□ हैं, तब उन्हें यह पता नहीं होता है कि व□ कौन स□ कोर्स म□ एडमिशन लें. इसक□ अलावा, क्योंकि व□ अभी युवा हैं, व□ पूरी तरह स□ अपन□ स्वयं क□ व्यक्तित्व, प्रतिभाओं और रूचि क□ बार□ में नहीं जानत□ हैं.

इसलिए यह जरूरी है कि अनुभवी लोग जैस□ कि आप (Facilitators) इन युवाओं का मार्गदर्शन करें और उन्हें अपन□ व्यक्तित्व, प्रतिभाओं और रुचियों को समझन□ में मदद करें। आपका यह भी दायित्व है की आप सभी कोर्सेस क□ बार□ में इन्हें जानकारी दें.

यह बुकल□ आपको मार्गदर्शन और काउंसलिंग स□ जुड़□ सभी मुद्दों को समझन□ में मदद करगी।
हमन□ इस बुकल□ में दिल्ली क□ विश्वविद्यालयों और कॉलज□ क□ बार□ में जानकारी दी है. हमन□ यह भी समझाया है कि विभिन्न छात्रों क□ लिए कौन स□ कोर्सेज उपयुक्त होंग। इसक□ अलावा इन कोर्सेज क□ समाप्त होन□ क□ बाद रोजगार क□ क्या अवसर होंग। यह भी लिखा है.

Facilitators स□ यह निवदन है की व□ इस बुकल□ को बार- बार पढ़ें. इस बुकल□ को पढ़न□ क□ बाद आपको सभी कोर्सेज में एडमिशन स□ सम्बंधित सभी चीजों क□ बार□ में पता चल जाएगा. यह छात्रों को बहुत मदद दगा. इसक□ अलावा, यह आपको एक बहुत महत्त्वपूर्ण कौशल दगा जिसका उपयोग आप पूरी जिन्दगी कर सकत□ हैं.

नियमित बनाम ओपन स्कूलिंग

नियमित कॉलज□ में पढना किस तरह स□ ओपन स्कूलिंग स□ बहतर है

आम तौर पर दिल्ली में दलित, मुस्लिम और अन्य कमजोर वर्गों क□ छात्र स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन लत□ है जहाँ रगुलर क्लासज□ नहीं होती हैं. इसकी बहुत सारी वजह हैं. कभी व□ ऐसा इसलिए करत□ हैं क्योंकि व□ काम करक□ अपन□ परिवार की आर्थिक हालत में सुधार लाना चाहत□ हैं। लड़कियों को कई बार घर क□ काम क□ चलत□ या सुरक्षा कारणों स□ कॉलज□ नहीं जान□ दिया जाता है। कई बार युवा यह भी सोचत□ हैं की रगुलर कॉलज□ में जान□ का कोई फायदा नहीं है.
परन्तु यह सोच एकदम गलत है. और Facilitators स□ यह निवदन है की व□ छात्रों को रगुलर कॉलज□ में एडमिशन लत□ क□ लिय□ प्रोत्साहित करें। कॉलज□ में प्रतिदिन जान□ स□ और शिक्षक क□ लक्चर सुनन□ स□ छात्रों की जानकारी और आत्मविश्वास बढ़ता है. इसक□ अलावा व□ अन्य तबकों क□ छात्रों स□ मिलत□ हैं और

इससे उन्हें एक्सपोज़र मिलता है। कॉलेजों में कई सारी गतिविधियाँ होती हैं जैसे की थिएटर, डांस, म्यूजिक, वाद विवाद प्रतियोगिताएं। छात्र इन गतिविधियों में हिस्सा लेकर फायदा प्राप्त कर सकते हैं. इस तरह से हम यह देखते हैं कि रेगुलर कॉलेज में पढ़ने के कई फायदे हैं.

दिल्ली के विभिन्न विश्विद्यालयों और कॉलेजेस में UG कोर्सेज

1. B.A.(Hons.) & B.A. (Programme) - सामाजिक अध्ययन और भाषाएं

यह कोर्स क्या है

B.A.(Hons.) and B.A.(Programme) कोर्सेज में सामाजिक अध्ययन और भाषा के विषयों को पढ़ाया जाता है। इतिहास, राजनैतिक शास्त्र ,समाजशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान जैसे विषय इस कोर्स में पढ़ाए जाते हैं.

किन कॉलेज/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

यह कोर्स दिल्ली विश्विद्यालय के कॉलेजों में है. इसके अलावा यह कोर्स अम्बेडकर विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(IGNOU), स्कूल ऑफ़ ओपन लर्निंग (SOL) और दिल्ली विश्विद्यालय के लड़कियों के लिए नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में भी है.

किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए

जिन छात्रों ने क्लास 12th आर्ट्स धारा से किया है या जिन्हें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और भाषाओं जैसे विषयों में रुचि है, यह कोर्स उनके लिए उपयुक्त है.

छात्रों की रूचि कैसे जानें

छात्र खुद से शायद यह न बता पाएं की वे ऊपर लिखें विषयों में रूचि लेते हैं. ऐसी स्थिति में सूत्रधारों को कुछ प्रश्नों द्वारा छात्र की रूचि और क्षमताओं को पहचानना चाहिए। वे छात्रों से नीचे लिखे सवाल पूछ सकते है

(i) क्या उसे अखबार पढ़ने में रूचि है?

(ii) क्या उसे राजनैतिक खबरों को जानने में रूचि है

(iii) क्या उसे सामाजिक मुद्दे जैसे की शिक्षा, भेदभाव, अधिकार, कानून जैसे मुद्दों को समझने में रूचि है?

(iv) क्या उसे किताबों को पढ़ना अच्छा लगता है? जैसे की कहानी, उपन्यास इत्यादि.

मूल रूप से B.A. में हमें अपने समाज के बारे में बताया जाता है. यदि छात्र का इस तरफ रुझान है, तो उसे इसमें एडमिशन लेना चाहिए

B.A. के बाद नौकरियां / करियर

B.A. पूरा करने के बाद छात्रों के लिए कई कॅरिअर और नौकरियाँ उपलब्ध हैं। Facilitators को इनके बारे में छात्रों को बताना चाहिए

(i) <u>सरकारी नौकरियां</u> - सभी सरकारी नौकरियों की प्रवेश परीक्षाओं में सामान्य अध्ययन के सवाल पूछे जाते हैं. इनमें से ज्यादातर सवाल इतिहास, राजनैतिक शास्त्र, भूगोल आदि विषयों से आते हैं. क्योंकि ये विषय B.A. में पढ़ाए जाते हैं, B.A. करने वाले छात्रों को इन्हें हल करने में आसानी होगी।

(ii) <u>बैंकिंग नौकरियाँ -</u> B.A. करने के बाद छात्र क्लर्क और अफसर पद के लिए बैंकों की प्रवेश परीक्षाओं में बैठ सकते हैं.

(iii) वे सरकारी और निजी स्कूल में टीचर बन सकते हैं.

(iv) <u>कॉलेज और विश्विद्यालय में प्रोफेसर</u> - यदि किसी छात्र को इन विषयों में बहुत रूचि है तो वह उच्च शिक्षा के लिये जा सकता है और कॉलेजों और विश्विद्यालयों में प्रोफेसर बन सकता है.

(v) <u>कार्यालयों और कंपनियों में नौकरियां</u> - कंपनियों और कार्यालयों में कई नौकरियों होती हैं जिनमें किसी भी विशिष्ट कौशल की आवश्यकता नहीं है। इन नौकरियों में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स और सामान्य समझ की जरूरत होती है. एक नियमित रूप से कॉलेज में पढ़ रहे छात्रों में ये प्रतिभाएं आ जाती है.

(vi) <u>अनुवादक -</u> B.A. यदि किसी भाषा में किया गया है, जैसे की हिन्दी, अंग्रेज़ी, क्षेत्रीय या विदेशी भाषाएं तो उससे अनुवादक की नौकरी लग सकती है. वह चाहे तो स्वतंत्र अनुवादक के रूप में भी काम कर सकता है।

2. B.A. - संगीत और ललित कला

<u>यह **कोर्स क्या है**</u>

B.A. संगीत में भी किया जा सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में हिंदुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत और Percussion संगीत के कोर्सेज हैं।

<u>किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है</u>

यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय में है

<u>किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए</u>

जिन छात्रों को संगीत में रूचि है, उन्हें या कोर्स करना चाहिए. वे 12th किसी भी विषय से पढ़े हों, इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता है

<u>छात्रों की रूचि कैसे जानें</u>

Facilitators को छात्रों से सीधे पूछना चाहिए की क्या उनकी संगीत में रूचि है.

<u>B.A. (संगीत) के बाद नौकरियां / करियर</u>

1. B.A. (संगीत) कोर्स एक छात्र को पार्श्व गायक बनने में मदद कर सकता है
2. इससे संगीतकार, वादक, और गीत लेखक बनने में भी सहायता मिलती है।

3. B.A. (हिन्दी पत्रकारिता और जर्नलिज्म)

<u>यह **कोर्स क्या है**</u>

यह कोर्स जर्नलिज्म के बारे में है

<u>किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है</u>

यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में उपलब्ध है

<u>किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए</u>

वो छात्र जिन्हें पत्रकार बनने में रूचि है, वो इसे कर सकते है.

<u>छात्रों की रूचि कैसे जानें</u>

जिन छात्रों की रुचि पत्रकारिता के फील्ड में है, वो इसमें प्रवेश ले सकते है. उन्हें वर्तमान मुद्दों को जानने-समझने में रुचि होनी चाहिए।

<u>इस कोर्स के बाद नौकरियां / करियर</u>

1. छात्र प्रिंट पत्रकारिता उद्योग में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं, जैसे कि अखबारों और पत्रिकाओं में पत्रकारों और संपादकों की नौकरी।
2. छात्र निजी कंपनियों में भी नौकरी प्राप्त कर सकते है.
3. छात्र इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा भी ले सकते हैं.

4. B.A.(Hons.) - वोकेशनल स्टडीज

<u>यह **कोर्स क्या है**</u>

जैसा कि इस कोर्स का नाम है, यह कोर्स विभिन्न रोजगार परक शिक्षाओं के लिए है. दिल्ली जैसे शहर में इस कोर्स के बाद कई सारे रोजगार उपलब्ध हो सकते है. यह कोर्स निम्न लिखित क्षेत्रों में है

(i) टूरिज्म

(ii) कार्यालय प्रशासन और सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस,

(iii) प्रबंधन और बीमा की मार्केटिंग

(iv)लघु और मझौले उद्यम,

(v) सामग्री प्रबंधन,

(vi) मानव संसाधन प्रबंधन,

(vii) विपणन प्रबंधन और खुदरा व्यापार

<u>किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है</u>

इनमें से ज्यादातर कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में हैं. इसके अलावा IGNOU में B.A. (टूरिस्म स्टडीज) होता है.

<u>किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए</u>

कोई भी छात्र यह कोर्स कर सकता है, और अपनी रूचि के अनुसार क्षेत्र ले सकता है

<u>छात्रों की रूचि कैसे जानें</u>

Facilitators को इस कोर्स और उन सभी क्षेत्रों के बारे में बताना चाहिए जिनमें यह कौर्स उपलब्ध है.छात्र अपनी रूचि के अनुसार कोर्स ले लेंगे.

<u>इस कोर्स के बाद नौकरियां / करियर</u>

क्योंकि ये एक रोजगारपरक कोर्स है, इस कोर्स को करने के बाद बहुत सारी रोजगार सम्भावनाएं हैं. निजी कंपनियों और कार्यालयों में मार्केटिंग, सेक्रेटरी, ऑफिस प्रबंधन, HR प्रबंधन सम्बंधित बहुत सारी नौकरियाँ हैं.

5. **B.Com**.

<u>यह **कोर्स क्या है**</u>

यह बहुत ही प्रचलित कोर्स है क्योंकि इसको करने के बाद निजी क्षेत्र में कई सारी रोजगार सम्भावनाएं हैं - खासकर दिल्ली जैसे बड़े बड़े शहर में.

<u>किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है</u>

यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय, IGNOU और SOL में उपलब्ध है

<u>किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए</u>

उन छात्रों को जो वाणिज्यिक और वित्तीय विषयों में रुचि रखते हैं, और जो जो गणित में बहुत कमजोर नहीं हैं, उन्हें B.Com के लिए जाना चाहिए।

<u>छात्रों की रूचि कैसे जानें</u>

चूंकि यह एक बहुत ही लोकप्रिय कोर्स है, कई छात्रों को इसे लेने की चाहत होती है. Facilitators को स्पष्ट रूप से पूछना चाहिए कि छात्र क्यों B.Com करना चाहता है। यदि इसका उद्देश्य केवल कोई

नौकरी पान है तो सूत्रधार अन्य कोर्सेज क□ बार□में भी बताएं. लकिन अगर छात्र वास्तव में वाणिज्यिक और वित्तीय विषयों में रुचि लता है, तो उस□यह कोर्स लना चाहिए।

इस कोर्स क□ बाद नौकरियां / करियर

(I) निजी कंपनियां और कार्यालय - B.Com छात्रों को निजी कंपनियों और कार्यालयों में नौकरी पान□क□ लिए एक बड़ा अवसर है। व□एडमिन, एकाउंट्स विभागों में नौकरी प्राप्त कर सकत□हैं।

(ii) व□प्रबंधक, एकाउंट□□, कंपनी सचिव और चार्□र्ड एकाउंट□□ बन सकत□है।

(iii) स्कूलों में शिक्षक - व□सरकारी और निजी स्कूलों में शिक्षक बन सकत□हैं.

(iv) कॉलज और विश्विद्यालय में प्रोफसर - यदि किसी छात्र को इन कॉमर्स में बहुत रूचि है तो वह उच्च शिक्षा क□ लिय□जा सकता है और कॉलजा और विश्विद्यालयों में प्रोफसर बन सकता है.

(v) व□बैंकिंग क्षत्र में भी नौकरी प्राप्त कर सकत□है.

6. B.Sc. (Hons.) - विज्ञान

यह कोर्स क्या है

छात्र कई विषयों में B.Sc. कर सकत□हैं जैस□कि बॉ□नी, जूलॉजी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, गृह विज्ञान आदि. छात्र गणित और कंप्यू□र विज्ञान जैस□ विषयों में भी B.Sc. कर सकत□हैं.

किन कॉलजा/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

यह कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय और IGNOU में उपलब्ध है.

किन छात्रों को यह कोर्स लना चाहिए

जिन छात्रों न□कक्षा 12 वीं में विज्ञान लिया है और जिन्ह□विज्ञान क□ अध्ययन में रूचि है, उन्हें यह कोर्स करना चाहिए

छात्रों की रूचि कैस□जानें

सूत्रधार छात्रों स□पूछ सकत□हैं की यदि व□वास्तव में विज्ञान का अध्ययन पसंद करत□है या सिर्फ परिवार क□ दबाव, साथियों क□ दबाव आदि कारण स□12th में विज्ञान लिया था और उसी कारण स□B.Sc. में एडमिशन लना चाहत□हैं. यदि ऐसा है तो व□दूसर□कोर्सेज में एडमिशन ल□

यदि किसी छात्र को कंप्यू□र पर काम करन□में बहुत ज्यादा दिलचस्पी है, या बहुत अच्छा गणितीय कौशल है, तो वह B.Sc. (कंप्यू□र विज्ञान या गणित) में कर सकत□हैं.

इस कोर्स क□ बाद नौकरियां / करियर

1. सॉफ्□वयर कंपनियां - यदि B.Sc. कंप्यू□र साइंस है तो सॉफ्□वयर कंपनियों में जॉब लग सकती है.

2. उद्योग - व कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकत हैं। उदाहरण क लिए, यदि किसी न B.Sc. भूविज्ञान में किया है , तो वह तल अन्वषण कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। यदि किसी न B.Sc. जीव विज्ञान में किया है तो वह औषधि (दवा) कंपनियों में नौकरी ल सकता है। यदि किसी न B.Sc रसायन विज्ञान में किया है, तो वह रसायन उद्योग में रोजगार प्राप्त कर सकता है.
3. सरकारी नौकरियाँ - छात्र क लिए आवदन द सकत हैं.
4. ीचर्स - सरकारी या निजी स्कूलों में शिक्षक बन सकत हैं. व ूशन्स दकर काफ़ी पैस भी कमा सकत हैं.
5. प्रोफसर - व उच्च शिक्षा क क्षत्र में जाकर प्रोफसर भी बन सकत हैं.

7. BCA - Bachelor of Computer Applications

यह कोर्स क्या है

यह कोर्स कम्प्यू र्स और प्रोग्रामिंग क बार में है

किन कॉलजस/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

यह कोर्स IGNOU में है.

किन छात्रों को यह कोर्स लना चाहिए

जिन छात्रों को कम्प्यू र्स और कंप्यू र प्रोग्रामिंग में रूचि है उन्हें यह कोर्स लना चाहिए.

छात्रों की रूचि कैस जानें

Facilitators को छात्रों स पूछना चाहिए कि क्या उन्हें कम्प्यू र्स और प्रोग्रामिंग में रूचि है, यदि हाँ, तो उन्हें यह कोर्स करना चाहिए

इस कोर्स क बाद नौकरियां / करियर

1.यह कोर्स करन क बाद सॉफ्वयर कंपनियों में नौकरी लग सकती है
2. छात्र कम्प्यू र ीचर भी बन सकत हैं

8. Bachelor of Library and Information Science

यह कोर्स क्या है

यह कोर्स छात्रों को पुस्तकालय में काम करन योग्य बनाता है

किन कॉलजस/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

IGNOU

किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए
कोई भी छात्र यह कोर्स ले सकता है

छात्रों की रूचि कैसे जानें
क्योंकि यह एक विशेष कोर्स है, Facilitators को छात्रों को इस कोर्स के बारे में समझाना चाहिए और फिर छात्र अपनी रूचि के अनुसार यह कोर्स ले सकता है

इस कोर्स के बाद नौकरियां / करियर

1. स्कूल्स - स्कूल में लाइब्रेरियन की जॉब लग सकती है

2. कॉलेज और विश्विद्यालय के पुस्तकालय में जॉब लग सकती है

3. सामान्य पुस्तकालय - कुछ सामान्य पुस्तकालय भी होते हैं, जहां रोजगार के अवसर प्राप्त किये जा सकते हैं।

9. Bachelor of Social Work (BSW)

यह कोर्स क्या है

यह एक परास्नातर कोर्स है, जो एक छात्र को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, गरीबी उन्मूलन आदि में तैयार करता है.

किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

IGNOU

किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए

जिसे भी एक सामाजिक कार्यकर्ता बनने की इक्षा है वह यह कोर्स कर सकते हैं।

छात्रों की रूचि कैसे जानें
सूत्रधार को छात्रों को उन सभी चीजों के बारे में बताना चाहिए जो की एक सामाजिक कार्यकर्ता के लिए जरूरी हैं जैसे की सामाजिक संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता, सामाजिक उत्थान आदि.
इस कोर्स के बाद नौकरियां / करियर

1. गैर सरकारी संगठनों में काम - राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों में रोजगार प्राप्त किये जा सकते है.

2. विश्वविद्यालय / कॉलेज का प्रोफेसर - अगर छात्र को आगे की पढ़ाई में रुचि है, तो वह एक कॉलेज या विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बन सकता है।

10. Industrial Training Institutes (ITIs) के कौर्सेस

ये कोर्स **क्या हैं?**

दिल्ली में कई ITIs हैं जो कई तरह के कोर्सेज चलाते हैं जिसको करने पर उद्योगों में नौकरियाँ प्राप्त हो सकती हैं. कुल मिलाकर 45 कोर्सेज हैं (Information Booklet में विस्तार से इसके बारे में जानकारी दी गयी है).

किन कॉलेजों/विश्विद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है

ये सभी कोर्स ITIs द्वारा चलाये जाते हैं

किन छात्रों को यह कोर्स लेना चाहिए

ये कोर्स कोई भी छात्र कर सकता है. उसे उपलब्ध कोर्स को अपनी रूचि और क्षमताओं के अनुसार लेना चाहिए.

छात्रों की रूचि कैसे जानें

Facilitators सभी कोर्सेज के बारे में छात्रों को बता दें, कोर्सेज के नाम से ही पता चल जाएगा की किस छात्र को कौन सा कोर्स करना है

इस कोर्स के बाद नौकरियां / करियर

इसके बाद छोटे और बड़े उद्योगों में बहुत सारे रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

Introduction of CSEI

CSEI is concerned with deepening democracy and developing our body politic by enhancing the enjoyment by excluded communities of their social, economic and cultural (SEC) rights. We recognize the widespread prevalence of exclusion and discrimination against Dalits, Adivasis, Muslims and other socially excluded communities in our society, and the specific vulnerabilities of women, children and youth within these communities, as regards access to education, employment and governance. Poverty, disability, physical/geographic in-accessibility, forms of illnesses and other context specific characteristics make the picture more complex, demanding sustained efforts in unraveling and addressing exclusion independently and intersectionally. CSEI therefore undertakes advocacy-oriented research, social equity audits, policy advocacy and the piloting of model interventions with members of excluded communities in the critical areas of education and employment. Major constituency is three communities- Dalits, Tribals and Muslims with special focus on women, children and youth in collaborating with Community led Organizations (CLOs).Embedded in the experiences of excluded communities, CSEI works to bring together all relevant stakeholders: the excluded communities, state actors, civil society organizations, corporate sector and others. Consistent interventions in the above areas are undertaken through the CSEI Bihar and Delhi office. In addition, CSEI shares its materials, modules and lessons with other community-led organizations and civil society organizations. **Education, employment, entrepreneurship and governance** are the key intervention areas keeping "**Exclusion – Equity –Inclusion**" as our watch words.

Centre for Social Equity and Inclusion (CSEI)

National Office:
2157/A, 3rd Floor, Sarthak building
Guru Arjun Nagar, New Delhi-110008
Tel- 011-011-25705650

admin@cseiindia.org.in